बांदीपुर टाइगर रिज़र्व

कर्नाटक में स्थित **बांदीपुर टाइगर रिज़र्व ने 1 अप्रैल, 2023 को** [प्रोजेक्ट टाइगर](#) **रिज़र्व के रूप में 50 वर्ष पूरे किये** । बाघों की आबादी में गिरावट को रोकने के उद्देश्य से **वर्ष 1973 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा रिज़र्व की शुरुआत** की गई थी।

- प्रारंभ में जब प्रोजेक्ट टाइगर लॉन्च किया गया था तो बांदीपुर में 12 बाघ थे, सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप वर्तमान में यहाँ 173 बाघ हैं।

बांदीपुर टाइगर रिज़र्व के प्रमुख बिंदु:

- **परिचय:**
  - [बांदीपुर टाइगर रिज़र्व](#) हमारे देश के सबसे समृद्ध जैवविविधता क्षेत्रों में से एक में स्थित है जो "पश्चिमी घाट पर्वत जैव भोगोलिक क्षेत्र" का प्रतिनिधित्व करता है, इसके **दक्षिण में** [मुदुमलाई टाइगर रिज़र्व](#) **(तमिलनाडु), दक्षिण-पश्चिम में** [वायनाड वन्यजीव अभयारण्य](#) **(केरल)** तथा **काबिनी जलाशय,** उत्तर-पश्चिम में बांदीपुर और **नागरहोल टाइगर रिज़र्व** को अलग करता है।
  - यह विभिन्न पुष्प प्रजातियों और जैवविविधता से संपन्न क्षेत्र है और देश के **मेगा जैवविविधता क्षेत्रों** (Mega Biodiversity Areas) के रूप में पहचाना जाता है।
- **स्थापना:**
  - इसकी **स्थापना प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1973** में की गई थी। वर्ष **1985 में वेणुगोपाला वन्यजीव पार्क** से सटे क्षेत्रों को शामिल कर इसके क्षेत्रफल में वृद्धि की गई तथा **बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान नाम दिया गया।**
- **अवस्थिति:**
  - यह कर्नाटक के दो निकटतम ज़िलों (मैसूर और चामराजनगर) में फैला हुआ है तथा **कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल राज्यों के त्रि-जंक्शन क्षेत्र में स्थित है।**
- **जीवमंडल रिज़र्व:**
  - बांदीपुर टाइगर रिज़र्व **मैसूर हाथी रिज़र्व का हिस्सा है और देश के पहले** [बायोस्फीयर रिज़र्व](#) **नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।**
  - **बांदीपुर, नागरहोल, मुदुमलाई** और **वायनाड** में फैले क्षेत्र में **न केवल देश में सबसे अधिक बाघ** हैं- **लगभग 724**, बल्कि सबसे बड़ी [एशियाई हाथियों की आबादी](#) भी है।
- **नदियाँ और उच्चतम बिंदु:**
  - यह पार्क उत्तर में **काबिनी नदी और दक्षिण में मोयार नदी** के बीच स्थित है। **नुगु नदी पार्क** से होकर प्रवाहित होती है। पार्क का उच्चतम बिंदु **हिमवद गोपालस्वामी बेट्टा** नामक पहाड़ी पर अवस्थित है।
- **कर्नाटक में अन्य टाइगर रिज़र्व:**
  - **भद्रा टाइगर रिज़र्व**
  - [नागरहोल टाइगर रिज़र्व](#)
  - डंडेली-अंशी टाइगर रिज़र्व
  - बिलिगिरि रंगनाथ स्वामी मंदिर (Biligiri Ranganatha Swamy Temple- BRT) टाइगर रिज़र्व, इसके अलावा [मलाई महादेश्वर वन्यजीव अभयारण्य](#) को टाइगर रिज़र्व बनाने का प्रस्ताव रखा गया है।

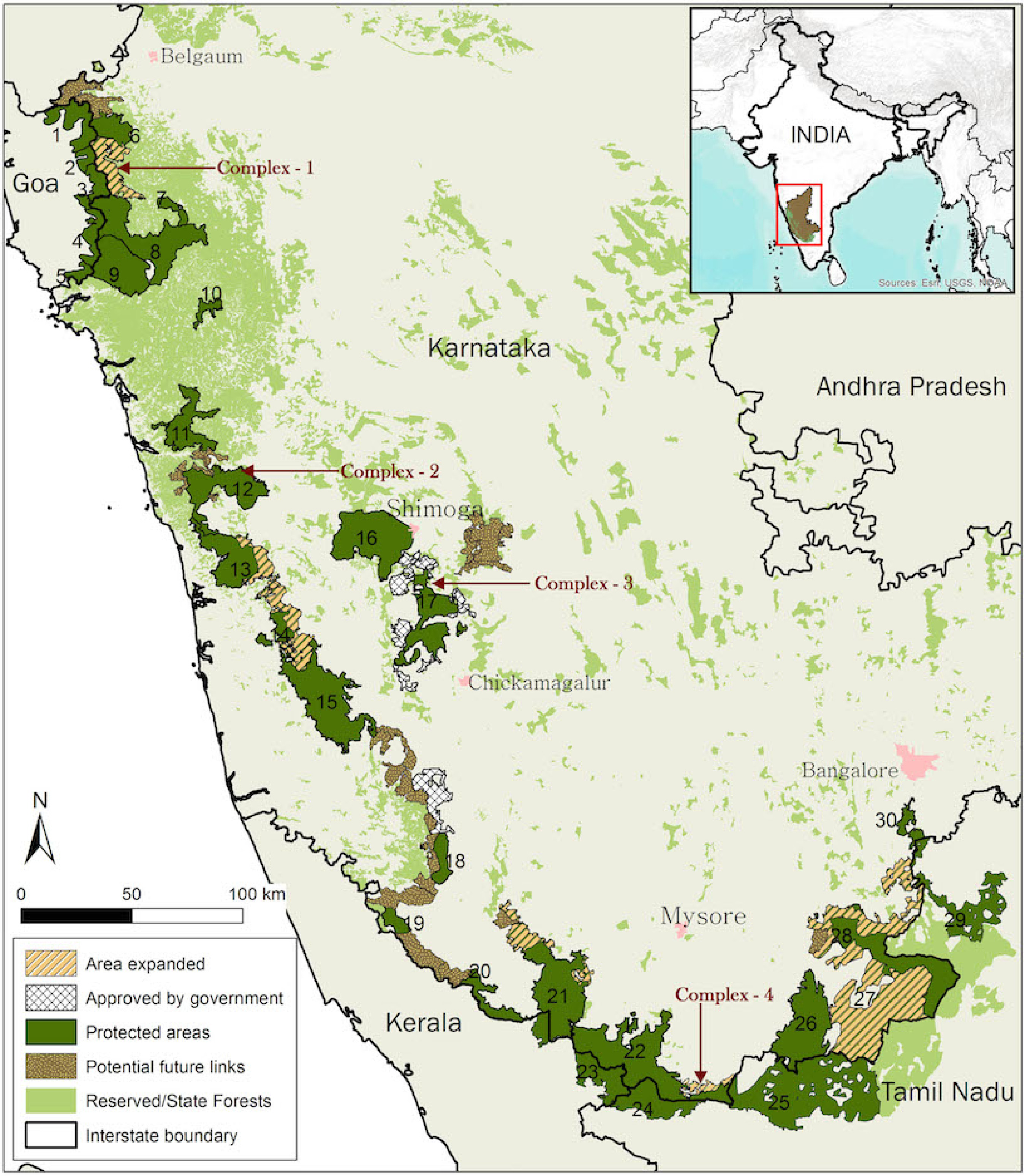

1. Madei WS
2. Bhagvan Mahaveer WS
3. Mollem NP
4. Netravali WS
5. Cotigao WS
6. Bhimghad WS
7. Hornbill CR
8. Dandeli WS
9. Anshi NP
10. Bedthi CR
11. Aghanashini CR
12. Sharavathi WS
13. Mookambika WS
14. Someshwara WS
15. Kudremukh NP
16. Shettihalli WS
17. Bhadra WS
18. Pushpagiri WS
19. Talacauvery WS
20. Bramhagiri WS
21. Nagarahole NP
22. Bandipur NP
23. Wayanad WS
24. Mudumalai WS
25. Sathyamangalam WS
26. Biligirirangaswamy Temple WS
27. Malai Mahadeshwara WS
28. Cauvery WS
29. North Cauvery WS
30. Bannerghatta WS

NP- National Park WS – Wildlife Santuary CR – Conservation Reserve

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों पर विचार कीजिये: (2012)

1. बांदीपुर
2. भीतरकनिका
3. मानस
4. सुंदरबन

उपर्युक्त में से किसे टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- देश में बाघ की लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने हेतु वर्ष 1973 में भारत सरकार द्वारा प्रोजेक्ट टाइगर शुरू किया गया था। 1973-2016 तक नौ रिज़र्व से शुरू होकर यह संख्या बढ़कर पचास हो गई है। इन बाघ परियोजना में कुल 71027.10 वर्ग किमी. क्षेत्र को शामिल किया गया है।
- **बांदीपुर टाइगर रिज़र्व:** इसका गठन तत्कालीन वेणुगोपाला वन्यजीव पार्क के अधिकांश वन क्षेत्रों को शामिल करके किया गया था, जिसे 19 फरवरी, 1941 की सरकारी अधिसूचना के तहत स्थापित किया गया था, साथ ही 1985 में इसका विस्तार 874.20 वर्ग किमी. के क्षेत्र में किया गया था। इसका नाम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान रखा गया था। इस रिज़र्व को वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत शामिल किया गया था। यह दक्षिणी कर्नाटक के ज़िलों अर्थात् मैसूर और चामराजनगर में फैले सन्निहित परिदृश्य में स्थित है। यह कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल राज्यों के ट्राइजंक्शन क्षेत्र में स्थित एक विशिष्ट भूभाग है। जीव-जंतुओं की जैवविविधता में तेंदुआ, रॉयल बंगाल टाइगर, जंगली बिल्ली, स्लॉथ बीयर, एशियाई हाथी, जंगली सुअर, ग्रे हेरॉन, शाहीन बाज़, लिटिल बस्टर्ड क्वेल, कोबरा, ग्रीन वाइन स्नेक आदि शामिल हैं। **अतः 1 सही है।**
- **सुंदरबन टाइगर रिज़र्व:** सुंदरबन वन के एक बड़े हिस्से को वर्ष 1875 में **वन अधिनियम, 1865** (1865 का अधिनियम VIII) के तहत "आरक्षित" घोषित किया गया, स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1977 में इसे एक वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था और 4 मई, 1984 को एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 1978 में सुंदरवन को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था तथा वर्ष 1973 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत एक बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था। यह पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित है। पौधों की कुछ सामान्य रूप से पाई जाने वाली प्रजातियों में सुंदरी वृक्ष, गोलपति, चंपा, धुन्डुल, गेनवा और हटल शामिल हैं। इन वनों में मैंग्रोव की लगभग 78 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इस रिज़र्व में रॉयल बंगाल टाइगर के साथ-साथ अन्य जानवरों जैसे- मछली का शिकार करने वाली बिल्लियाँ, मकॉक, लेपर्ड् कैट, भारतीय ग्रे नेवला, जंगली सुअर, फ्लाइंग फॉक्स, पैंगोलिन आदि पाए जाते हैं। **अत: 4 सही है।**
- **मानस टाइगर रिज़र्व:** वर्ष 1907 में इस वन को रिज़र्व फॉरेस्ट घोषित किया गया था। स्वतंत्रता के बाद 1950 में मानस आरक्षित वन को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था। 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च के साथ मानस टाइगर रिज़र्व की घोषणा आधिकारिक रूप से कर दी गई। यूनेस्को ने वर्ष 1985 में इसे विश्व विरासत स्थल (प्राकृतिक) घोषित किया और वर्ष 1989 में यूनेस्को के मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम के तहत इसे बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में नामित किया। यह असम राज्य में तराई और भाबर क्षेत्र के घास के मैदानों के समान बिंदु पर स्थित है, जो अर्द्ध-सदाबहार वनों तथा भूटान, हिमालयी क्षेत्र तक फैला हुआ है। यहाँ रॉयल बंगाल टाइगर्स की आबादी समृद्ध है। पिग्मी जनजाति की आखिरी आबादी मात्र मानस के जंगलों में बची हुई है। **अत: 3 सही है।**
- **भितरकनिका आर्द्रभूमि:** इसका प्रतिनिधित्व 3 संरक्षित क्षेत्रों "भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान", "भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य" और "गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य" द्वारा किया जाता है। भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान तेंदुआ बिल्ली, मछली पकड़ने वाली बिल्ली, जंगली सूअर, चित्तीदार हरिण, सांभर, डॉल्फिन, खारे पानी के मगरमच्छ का प्रमुख निवास स्थान है। हालाँकि भितरकनिका को टाइगर रिज़र्व घोषित नहीं किया गया है। **अत: 2 सही नहीं है। अतः विकल्प (B) सही उत्तर है।**

प्रश्न. पारिस्थितिक दृष्टिकोण से पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में निम्नलिखित में किसका महत्त्व अधिक है? (2017)

(a) सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र (सत्यमंगलम टाइगर रिज़र्व)
(b) नल्लामला वन
(c) नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान
(d) शेषाचलम जीवमण्डल आरक्षित क्षेत्र (शेषाचलम बायोस्फीयर रिज़र्व)

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सत्यमंगलम वन्यजीव अभयारण्य और टाइगर रिज़र्व भारतीय राज्य तमिलनाडु में पश्चिमी घाट के साथ एक संरक्षित क्षेत्र है।
- सत्यमंगलम वन रेंज पश्चिमी घाट और शेष पूर्वी घाट के मध्य नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व में एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा है, साथ ही चार अन्य संरक्षित क्षेत्रों के बीच एक आनुवंशिक संबंध है, जिसमें बिलिगिरिरंगा स्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य, सिगुर पठार, मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान और बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।
- यह वर्ष 2008 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और वर्ष 2011 में इसका विस्तार किया गया था। यह तमिलनाडु का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है, जो 1,411.6 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र को कवर करता है। तमिलनाडु राज्य में प्रोजेक्ट टाइगर के हिस्से के रूप में यह वर्ष 2013 में चौथा बाघ अभयारण्य बन गया।
- नल्लामाला वन दक्षिण भारत के सबसे बड़े जंगलों में से एक है। यह नल्लामाला पहाड़ी पर है, जो पूर्वी घाट का हिस्सा है। इसे पाँच ज़िलों में विभाजित किया गया है: कुरनूल, गुंटूर, कडप्पा, महबूबनगर एवं प्रकाशम। वुडलैंड में बाघों की स्वस्थ आबादी है एवं इसका एक हिस्सा नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व का हिस्सा है।
- नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान मैसूर और कोडागु के कर्नाटक क्षेत्रों में स्थित है। नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व का हिस्सा है तथा दक्षिण में **बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान एवं मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य और पश्चिम में वायनाड के साथ हाथियों व बाघों जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के लिये सबसे अच्छी तरह से संरक्षित आवासों में से एक है।**
- शेषाचलम पहाड़ियाँ आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कडप्पा ज़िलों के कुछ हिस्सों में फैली हुई पहाड़ी शृंखलाएँ हैं और वर्ष 2010 में शेषाचलम बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में नामित की गई हैं। बायोस्फीयर रिज़र्व में लाल चंदन के बड़े भंडार हैं। **अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bandipur-tiger-reserve-1